085/X/SA2/24/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

धूप बत्ती खड़ी हो या तिरछी, उसमें जलने की शक्ति बराबर ही रहती है, पर खड़ी हुई धूप बत्ती दियासलाई की ज्वाला को ग्रहण करने में असमर्थ रहती है और तिरछी धूप बत्ती उसे सुगमता से ग्रहण कर लेती है, क्योंकि झुकी हुई धूप-बत्ती को दियासलाई अपनी लौ के पूरे घेरे में ले पाती है और सीधी खड़ी को नहीं। तो यह निकली बात में से बात कि किसी से कुछ लेना हो तो झुकना आवश्यक है। झुकना, क्या शरीर का? नहीं जी, यों झुककर, दंडवत् लेटकर ही तो फ़ौज के सिपाही गोलियाँ दागते हैं, तो झुकना देह का नहीं, भाव का। साफ़-साफ़ यों कि पाने के लिए नम्र होना आवश्यक है। नम्रता से दाता के मन में प्रवेश पाना सुगम है, सहज है। इससे दाता के मन में देने की वृत्ति खिलती है, वह देने में सुख पाता है और अविनय से यह वृत्ति संकुचित होती है, वह देने में भार मानता है।

(1) सीधी खड़ी धूप-बत्ती क्यों नहीं जल पाती?
- (i) अपने अहंकार के कारण
- (ii) गीला होने के कारण
- (iii) लौ के पूरे घेरे में नहीं आ पाने के कारण
- (iv) जलने की क्षमता न होने के कारण

(2) 'झुकने' से लेखक का क्या अभिप्राय है?
- (i) विनम्रता (ii) दासता (iii) बुज़दिली (iv) आत्मसमर्पण

(3) विनम्रता का सच्चा स्वरूप क्या है?
- (i) सिर झुकाना (ii) दंड़वत होना
- (iii) कमर झुकाना (iv) मनोभाव से झुकना

(4) नम्रता से क्या सुगम हो जाता है?
- (i) दान-दक्षिणा का प्रचलन। (ii) दाता के मन में प्रवेश पाना
- (iii) याचना करना (iv) दाता के मन का बदलाव

(5) अविनय से दाता की मानसिकता पर क्या प्रभाव पड़ता है?
- (i) दान वृत्ति संकुचित हो जाती है। (ii) दान वृत्ति प्रभावशाली हो जाती है।
- (iii) दान वृत्ति बढ़ जाती है। (iv) दान देना अच्छा लगने लगता है।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

मानव जीवन में इतनी संभावनाएँ छिपी हैं, जिनकी कोई सीमा नहीं है। पशु से लेकर देवत्व तक की सारी सीढ़ियाँ मानवीय चोले में से होकर गुजरती हैं। शर्त एक ही है - उसके लिए चुनौती चाहिए। बिना चुनौती के वे सारी संभावनाएँ सोई रहती है। संसार में जितने पैगम्बर या अवतार हुए हैं, वे सब अपने-अपने समय की चुनौतियों के उत्तर हैं। हरेक युग की अपनी चुनौतियाँ होती हैं। जन सामान्य उन चुनौतियों को न तो पहचान पाता है, न उनका सामना करने का सामर्थ्य जुटा पाता हैं। पर जो तेजस्वी पुरुष उन चुनौतियों को पहचान कर उनका उत्तर देने के लिए मैदान में कूद पड़ता है, लोग उसे "महापुरुष" कहकर स्वयं उसका अनुगमन करने को तैयार हो जाते हैं। मनुष्य जीवन जन्म से मृत्यु पर्यन्त, क्षण-क्षण चुनौतियों से भरा पड़ा है। जिसने इन चुनौतियों को पहचानकर खम ठोक दिया, उसी के मुख से यह निकलेगा - इस सदन में, मैं अकेला ही दिया हूँ। मत बुझाओ, जब मिलेगी रोशनी मुझसे मिलेगी।

(1) मनुष्य की असीम संभावनाएँ कब तक सोती रहती हैं?

(i) जब तक कोई चुनौती उसे घेर नहीं लेती।

(ii) जब तक वह सोता रहता है।

(iii) जब तक सुख उसका दास होता है।

(iv) जब तक वह दुखी और त्रस्त रहता है।

(2) जन सामान्य की क्या कमी है?

(i) वह समय से पीछे चलता है।

(ii) वह साधारण सी बात नहीं समझ पाता।

(iii) वह समय की चुनौतियों को नहीं समझ पाता।

(iv) उसमें समझ की कमी होती है।

(3) 'तेजस्वी' पुरुष कौन होते है?

(i) जो समय की चुनौतियाँ पीछे छोड़ देते हैं।

(ii) जो निर्भीकता से चुनौतियों का सामना नहीं करते।

(iii) जो चुनौतियों का उत्तर देने मैदान में कूद जाते हैं।

(iv) जो चुनौतियों की प्रतीक्षा करते हैं।

(4) 'सामर्थ्य' का पर्याय नहीं है -

(i) शक्ति (ii) क्षमता (iii) स्वास्थ्य (iv) बल

(5) 'जन्म से मृत्यु पर्यन्त' के लिए एक शब्द है -

(i) आजन्म (ii) आमृत्यु (iii) आजीवन (iv) आमरण

3. **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5**

कुछ भी बन, बस कायर मत बन !
ठोकर मार, पटक मत माथा,
तेरी राह रोकते पाहन !
कुछ भी बन, बस कायर मत बन !

ले - दे कर जीना, क्या जीना?
कब तक गम के आँसू पीना?
मानवता ने सींचा तुझको
बहा युगों तक खून-पसीना !
कुछ न करेगा? किया करेगा -
रे मनुष्य - बस कातर क्रंदन?
कुछ भी बन, बस कायर मत बन!

'युद्धं देहि' कहे जब पामर
दे न दुहाई पीठ फेर कर
या तो जीत प्रीति के बल पर,
या तेरा पथ चूमे तस्कर!
प्रतिहिंसा भी दुर्बलता है,
पर कायरता अधिक अपावन!
कुछ भी बन, बस कायर मत बन!

(1) कविता के अनुसार क्या सत्य नहीं है -

(i) 'युद्ध देहि' कहो

(ii) राह में आए अवरोधकों को ठोकर मार।

(iii) निराश, असहाय होकर माथा मत पटक

(iv) कुछ भी बन बस कायर मत बन।

(2) किस जीवन को कवि निरर्थक मानता है?

(i) ले दे कर जीने को (ii) कातर क्रंदन को।

(iii) अकर्मण्य जीवन जीने को (iv) उपर्युक्त सभी को

(3) कवि के अनुसार प्रतिहिंसा और कायरता क्या है?

(i) पावन, दुर्बलता (ii) वीरता, दुर्बलता

(iii) दुर्बलता, अपावन (iv) पावन, वीरता

(4) युद्ध में कैसे दुहाई नहीं दी जानी चाहिए?

(i) युद्ध में पीठ फेरकर भाग खड़ा होना उचित नहीं।

(ii) युद्ध में छिप कर लड़ना उचित नहीं।

(iii) युद्ध में डटकर लड़ना चाहिए।

(iv) युद्ध में सर्वस्व न्योछावर कर देना चाहिए।

(5) यदि पत्थर तुम्हारा रास्ता रोकें तो -

(i) तोड़कर आगे बढ़ों। (ii) ठोकर मारकर निकल जाओ

(iii) उनपर सिर पटककर हल ढूँढ़ो (iv) ले-देकर फैसला कर लो

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरवाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

शक्ति का दिया हुआ, शक्ति को दिया हुआ
भक्ति से दिया हुआ, यह स्वतंत्रता दिया
रुक रही न नाव हो, जोर का बहाव हो,
आज गंगधार पर यह दिया बुझे नहीं।
यह स्वदेश का दिया प्राण के समान है।
यह अतीत कल्पना, यह विनीत प्रार्थना,
यह पुनीत भावना, यह अनंत साधना,
शांति हो, अशांति हो, युद्ध, संधि, क्रांति हो
तीर पर, कछार पर, यह दिया बुझे नहीं
देश पर, समाज पर, यह ज्योति का वितान है।
तीन चार फूल हैं, आसपास धूल है
बाँस है, बबूल है, घास के दुकूल हैं,
वायु भी हिलोर से, फूँक दे झकोर दे,
कब्र पर, मज़ार पर, यह दिया बुझे नहीं।
यह किसी शहीद का पुण्य प्राणदान है।

(1) किस दिये को न बुझने देने की बात कही है?

(i) उपासना का दिया (ii) भक्ति का दिया

(iii) मंदिर का दिया (iv) स्वतंत्रता का दिया

(2) स्वतंत्रता दीप की क्या विशेषता है?

(i) शक्ति का भक्ति को दिया हुआ (ii) शक्ति का स्वतंत्रता को दिया हुआ

(iii) भक्ति से आस्था को दिया हुआ (iv) शक्ति का शक्ति को दिया हुआ

(3) स्वदेश का दिया किसके समान है?

(i) धूल के समान (ii) फूल के समान

(iii) प्राण के समान (iv) बबूल के समान

(4) देश पर, समाज पर दिया किस स्वरुप में विद्यमान है?

(i) ज्योति के वितान के रूप में (ii) विनीत प्रार्थना के रूप में

(iii) अनंत साधना के रूप में। (iv) संधि समझौते के रूप में

(5) शहीद के संदर्भ में दिया किसका प्रतीक है?

(i) राष्ट्रभक्ति की पराकाष्ठा का। (ii) पुण्य प्राणदान का।

(iii) समर्पण और संरक्षण का। (iv) देश और राष्ट्र का।

खंड 'ख'

5. (1) 'रास्ते पर लोग धीरे-धीरे बोलते-बतियाते जा रहे थे।' वाक्य में क्रियाविशेषण पदबंध है - **1**

(क) धीरे-धीरे

(ख) बोलते-बतियाते जा रहे

(ग) धीरे-धीरे बोलते-बतियाते

(घ) बतियाते जा रहे थे

(2) 'जो युवती कम्प्यूटर पर काम कर रही थी वह <u>मंत्री जी की भतीजी</u> है। रेखांकित पदबंध है - **1**

(क) क्रिया विशेषण पदबंध

(ख) विशेषण पदबंध

(ग) संज्ञा पदबंध

(घ) सर्वनाम पदबंध

(3) '<u>मोहित</u> कहानियों की पुस्तक पढ़ता है।' रेखांकित का पद-परिचय है - **1**

(क) व्यक्ति वाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता

(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता

(ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता

(4) मीरा का छोटा भाई समाचार <u>पढ़ता है</u>। रेखांकित का पद-परिचय है। **1**

(क) सकर्मक क्रिया, पढ़ धातु , अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) अकर्मक क्रिया, पढ़ धातु , अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) अकर्मक क्रिया, पढ़ धातु , अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) सकर्मक क्रिया, पढ़ धातु , मध्यम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन

6\. (1) 'वह लड़की गीत सुनाएगी, जो कोने में बैठी है' रचना की दृष्टि से वाक्य भेद है – 1

(क) संयुक्त वाक्य (ख) सरल वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) कोई नहीं

(2) 'मैं जब विद्यालय पहुँचा, तब परीक्षा शुरू हो चुकी थी।' रचना की दृष्टि से वाक्य भेद है – 1

(क) मिश्र वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य (घ) कोई नहीं

(3) संयुक्त वाक्य का उदाहरण छाँटिए – 1

(क) रात्रि के ग्यारह बजने पर सीता ने पढ़ना बंद कर दिया।

(ख) रात्रि के ग्यारह बजे और सीता ने पढ़ना बंद कर दिया।

(ग) जैसे ही ग्यारह बजे वैसे ही सीता ने पढ़ना बंद कर दिया।

(घ) ग्यारह बजने के बाद सीता ने पढ़ना बंद कर दिया।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है। 1

(क) परिश्रमी विद्यार्थी अवश्य सफल होता है।

(ख) जो विद्यार्थी परिश्रमी होता है ,वह अवश्य सफल होता है।

(ग) विद्यार्थी परिश्रमी होता है इसलिए सफल होता है।

(घ) परिश्रमी होने के कारण विद्यार्थी अवश्य सफल होता है।

7\. (1) 'परमेश्वर' का संधि विच्छेद है – 1

(क) परम + ईश्वर (ख) परम + इश्वर

(ग) परमे + श्वर (घ) पर +मेश्वर

(2) 'सु+आगत' की संधि है – 1

(क) स्वागत (ख) सुआगत (ग) स्वगत (घ) सूआगत

(3) 'स्त्री रूपी रत्न' समास का भेद है – 1

(क) तत्पुरुष समास (ख) अव्ययीभाव समास

(ग) कर्मधारय समास (घ) द्वंद्व समास

(4) 'रसोईघर' का विग्रह व समास है – 1

(क) रसोई के लिए घर – तत्पुरुष (ख) रसोई है जो घर – कर्मधारय

(ग) रसोई और घर – द्वंद्व (घ) रसोई है जिसका घर – बहुब्रीहि

8\. (1) निम्नलिखित में से लोकोक्ति छाँटिए – 1

(क) आँखे दिखाना (ख) गुदड़ी का लाल

(ग) सूरज को दीपक दिखाना (घ) जहाँ काम आवे सुई, क्या करे तलवार

(2) 'हरफनमौला होना' मुहावरे का अर्थ छाँटिए – 1

(क) हर कक्षा में माहिर (ख) हर किताब में माहिर

(ग) हर कला में माहिर (घ) हर दाम में माहिर

(3) 'दूध का दूध, पानी का पानी' लोकोक्ति का अर्थ छाँटिए – 1

(क) सही न्याय करना (ख) दूध का पानी एक होना

(ग) दूध पानी अलग करना (घ) दूध में पानी मिलाना

(4) महानगर में रहकर परिवार का गुज़ारा चलाना गरीब आदमी के लिए .... है। रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से करें। **1**

(क) नाकों चने चबाना (ख) बाएँ हाथ का खेल

(ग) पानी-पानी होना (घ) बाग-बाग होना

9. (1) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - **1**

(क) क्या आप किताब पढ़ेंगे? (ख) क्या आप किताब पढ़ोगे?

(ग) क्या आप किताब पढ़े हैं? (घ) क्या आपने किताब पढ़ा है?

(2) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है - **1**

(क) मैं बड़ी देर तक उसकी बातें सुनता रहा।

(ख) मुझे वह बड़ा सज्जन आदमी लगा।

(ग) वह दसवीं कक्षा तक पढ़ा है।

(घ) उसने धीरे-धीरे अपनी बात कह दी।

(3) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - **1**

(क) लड़का और लड़की पढ़ रही है।

(ख) पुलिस के लाठीचार्ज चलाने से लोग घायल हुए।

(ग) मुझे चार गाएँ चाहिएँ।

(घ) गोपियाँ श्रीकृष्ण को एकटक निहारतीं थी।

(4) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है - **1**

(क) अपन तो चुपचाप बैठे हैं।

(ख) भागकर जाओ और बाज़ार से मिठाई ले आओ।

(ग) कल हम देर तक नहीं सोए।

(घ) हवा धीरे-धीरे बह रही है।

खंड 'ग'

10. पद्यांश के आधार पर उचित उत्तरवाले विकल्प चुनकर लिखिए - **1x5=5**

विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं
केवल इतना हो करुणामय
कभी न विपदा में पाऊँ भय।
दुख ताप से व्यक्ति चित्त को न दो सांत्वना नहीं सही
पर इतना होवे करुणामय
दुख को मैं कर सकूँ सदा जय।
कोई कहीं सहायक न मिले
तो अपना बल-पौरुष न हिले,
हानि उठानि पड़े जगत में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन में न मानूँ क्षय।।

(1) कविता व कवि का नाम बताइए।

(i) दोहे - बिहारी (ii) साखी - कबीर

(iii) आत्मत्राण - रवीन्द्रनाथ ठाकुर (iv) कर चले हम फ़िदा - कैफ़ी आज़मी

(2) विपत्तियों से घिर जाने पर कवि क्या चाहता है?

(i) विपदाओं से बचाओ। (ii) विपत्ति से डर ना लगे।

(iii) उसे मदद मिलती रहे। (iv) केवल इतना हो।

(3) कवि किस पर विजय पाना चाहता है?

(i) बीमारी पर (ii) दुख पर (iii) बल-पौरुष पर (iv) कोई भी नहीं

(4) सहायक न मिलने पर क्या कामना करता है?

(i) उसे हानि न उठानी पड़े।

(ii) अपनी शक्ति को बनाएं रखने की

(iii) उसका बल पौरुष न हिले

(iv) उसे दुख न हो

(5) 'वंचना' शब्द का क्या अर्थ है -

(i) दुख, कष्ट (ii) छल, धोखा

(iii) बल, पराक्रम (iv) मुसीबत और कष्ट

अथवा

खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दे हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(1) कवि-कविता का नाम बताइए।

(i) कर चले हम फिदा - रवीन्द्रनाथ ठाकुर

(ii) मधुर-मधुर मेरे दीपक जल - महादेवी वर्मा

(iii) कर चले हम फ़िदा - कैफ़ी आज़मी

(iv) पर्वत प्रदेश में पावस - सुमित्रानंदन पंत

(2) कवि ने 'रावण' किसे कहा है?

(i) लंकापति को (ii) शत्रुओं को

(iii) आतंकियों को (iv) अधिकारियों को

(3) 'सीता का दामन' का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए -

(i) विदेशी भूमि (ii) माँ का आँचल

(iii) सीता का आँचल (iv) पवित्र मातृभूमि

(4) 'तुम' का संबोधन किसके लिए किया गया है -

(i) युवा देश वासियों के लिए (ii) स्वयं कवि के लिए

(iii) बच्चों के लिए (iv) वृद्धों के लिए

(5) प्रस्तुत गीत की पृष्ठभूमि में कौन-सी ऐतिहासिक घटना है?

(i) स्वतंत्रता संग्राम (ii) भारत-पाक युद्ध

(iii) भारत-चीन युद्ध (iv) 26/11 का आतंकी हमला

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर पठित पाठों के आधार पर दीजिए - **2.5x2=5**

(क) ख्यूक्रिन का कथन कि 'मेरा भाई भी पुलिस में है....।' समाज की किस वास्तविकता की ओर संकेत करता है?

(ख) डेरा डालने से आप क्या समझते हैं? जीव जन्तुओं, पशु पक्षियों ने किस बात से पीड़ित होकर शहरों में डेरा डाल लिया है?

(ग) जापान में पारंपारिक चाय विधि का विस्तार से वर्णन कीजिए।

(घ) वज़ीर अली कौन था? कम्पनी के वकील का कत्ल वज़ीर अली ने क्यों किया?

12. 'झेन की देन' - पाठ के आधार पर बताइए कि जापानी मनोरोगी क्यों हैं? इसे दूर करने के लिए पारम्परिक चाय पीने की विधि अपनाकर क्या संदेश दिया है? **5**

अथवा

'गिरगिट' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

13. **गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए** -

शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने के जैसे ही होते हैं। चंद लोग उनमें व्यावहारिकता का थोड़ा-सा ताँबा मिला देते हैं और चलाकर दिखाते हैं। तब हम लोग उन्हें 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' कहकर उनका बखान करते हैं।

पर बात न भूलें कि बखान आदर्शों का नहीं होता, बल्कि व्यावहारिकता का होता है और जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है तब प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं और उनकी व्यावहारिक सूझबूझ ही आगे आने लगती है।

सोना पीछे रहकर ताँबा ही आगे आता है। चंद लोग कहते है, गांधी जी 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' थे। व्यावहारिकता को पहचानते थे। उसकी कीमत जानते थे इसीलिए वे अपने विलक्षण आदर्श चला सके। वरना हवा में ही उड़ते रहते। देश उनके पीछे न जाता।

(1) चंद स्वार्थी लोगों ने गांधी जी को क्या कहा? **1**

(2) व्यावहारिकता मात्र का बखान होने से क्या होता है? **2**

(3) शुद्ध आदर्श का अनुपालन, शुद्ध सोने के आभूषण बनाने की तरह कठिन क्यों हैं? **2**

अथवा

बाइबिल के सोलोमन जिन्हें कुरआन में सुलेमान कहा गया है, ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बादशाह थे। कहा गया है, वह केवल मानव जाति के ही राजा नहीं थे, सारे छोटे-बड़े, पशु-पक्षी के भी हाकिम थे। वह इन सबकी भाषा भी जानते थे। एक दफ़ा सुलेमान अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुज़र रहे थे। रास्ते में कुछ चींटियों ने घोड़ों की टापों की आवाज़ सुनी तो डर कर एक-दूसरे से कहा 'आप जल्दी से अपने-अपने बिलों में चले, फौज आ रही है।' सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए और चींटियों से बोले, 'घबराओ नहीं, सुलेमान को खुदा ने सबका रखवाला बनाया है। मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ सबके लिए मुहब्बत हूँ।' चींटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की और सुलेमान अपनी मंज़िल की ओर बढ़ गए।

(1) गद्यांश के आधार पर बादशाह सुलेमान की क्या विशेषता उजागर होती है? 2

(2) बादशाह सुलेमान ने चींटियों को कैसे आश्वस्त किया? 2

(3) घोड़ों की टापों की आवाज़ सुनकर चींटियाँ क्यों ड़र गई? 1

\`

14. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) 'कर चले हम फिदा' गीत का केंद्रीय भाव क्या है? 1

(ख) 'आत्मत्राण' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए। 2

(ग) कवि ने उदार व्यक्ति की क्या विशेषताएँ बताई हैं? दधीचि, कर्ण आदि के उदाहरणों से कवि क्या स्पष्ट करना चाहता है? 2

15. 'सपनों के से दिन' का लेखक छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने की क्या योजना बनाता था और पूरा न कर पाने की स्थिति में किसकी भाँति बहादुर बनने की कल्पना किया करता था? 3

अथवा

टोपी तीसरी बार नवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो पाया, वह भी तीसरी श्रेणी में। इसका क्या कारण था। 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

16. बच्चे ओमा के लिए 'रेलबंबा' शब्द का प्रयोग क्यों करते थे? 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए। 2

खंड 'घ'

17. किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग *100* शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) 'बीस-बीस' क्रिकेट का रोमांच

- क्रिकेट का नया स्वरूप
- तीव्र गति का महत्त्व
- देखने का रोमांच

(ख) यदि मैं अध्यापक होता।

- मैं क्या विशेष करता
- व्यवसाय की विशेषता
- व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका

(ग) टी.वी. रिएल्टी शो का समाज पर प्रभाव।

- रिएल्टी शो क्या हैं?
- रिएल्टी शो की बढ़ती होड़
- प्रभाव / दुष्प्रभाव

18. आपका 'ए टी एम कार्ड' खो गया है। तत्काल उचित कार्यवाही का अनुरोध करते हुए बैंक शाखा के प्रबन्धक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपके सैक्टर के पार्क की सही देखभाल नगर-निगम द्वारा नहीं की जा रही, जिससे कुरूपता और गंदगी बढ़ रही है। आप सैक्टर सुधार-समिति के अध्यक्ष के नाते पार्क की देखरेख अपने हाथ में लेने हेतु नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए।

- o 0 o -